UGC NET 2022 HINDI SH2

Topic:- 20_SH2_PARTA_S1

1) निम्नलिखित में से आर्यभाषाओं में शामिल नहीं है ?

1. यूनानी
2. लैटिन
3. प्राकृत
4. तुर्की

[Question ID = 301][Question Description = 101_20_Hindi_S3_SEPT22_Q01]

1. 1 [Option ID = 1201]
2. 2 [Option ID = 1202]
3. 3 [Option ID = 1203]
4. 4 [Option ID = 1204]

2) निम्नलिखित में तत्सम शब्द नहीं है -

1. आज्ञा
2. राय
3. सर्व
4. स्वामी

[Question ID = 302][Question Description = 102_20_Hindi_S3_SEPT22_Q02]

1. 1 [Option ID = 1205]
2. 2 [Option ID = 1206]
3. 3 [Option ID = 1207]
4. 4 [Option ID = 1208]

3) 'रत्नखान' के रचयिता हैं :

1. रसखान
2. नंददास
3. मलूकदास
4. सुंदरदास

[Question ID = 303][Question Description = 103_20_Hindi_S3_SEPT22_Q03]

1. 1 [Option ID = 1209]
2. 2 [Option ID = 1210]
3. 3 [Option ID = 1211]
4. 4 [Option ID = 1212]

4) "शुद्ध प्रेममार्गी सूफीकवियों की शाखा में सबसे प्रसिद्ध जायसी हुए, जिनकी 'पदमावत' हिंदी काव्यक्षेत्र में एक अद्भुत रत्न है। "

जायसी और उनकी पदमावत के बारे में उपर्युक्त मत किस का है ?

1. जॉर्ज ग्रियर्सन
2. विजयदेव नारायण साही
3. रामचंद्र शुक्ल
4. श्यामसुंदर दास

[Question ID = 304][Question Description = 104_20_Hindi_S3_SEPT22_Q04]

1. 1 [Option ID = 1213]
2. 2 [Option ID = 1214]
3. 3 [Option ID = 1215]
4. 4 [Option ID = 1216]

5) "सुफल जन्म मोको गुरु कीना। दुख बिसार सुख अंतर दीना।

ज्ञान दान मोको गुरु दीना। राम नाम बिन जीवन हीना।।

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों के रचयिता हैं -

1. कबीर
2. नामदेव
3. रैदास
4. सुंदरदास

[Question ID = 305][Question Description = 105_20_Hindi_S3_SEPT22_Q05]

1. 1 [Option ID = 1217]
2. 2 [Option ID = 1218]
3. 3 [Option ID = 1219]
4. 4 [Option ID = 1220]

6) "क्यों पले पीस कर किसी को तू ?

है बहुत पालिसी बुरी तेरी

हम रहे चाहते पटाना ही

पेट तुझसे पटी नहीं मेरी।। "

उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किस रचनाकार की हैं ?

1. मैथिली शरण गुप्त
2. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी
4. लोचन प्रसाद पाण्डेय

[Question ID = 306][Question Description = 106_20_Hindi_S3_SEPT22_Q06]

1. 1 [Option ID = 1221]
2. 2 [Option ID = 1222]
3. 3 [Option ID = 1223]

4. 4 [Option ID = 1224]

7) "करौं मुहम्मदशाह बखानू। सूरज है देहली सुल्तानू।।

धरमपंथ जग बीच चलावा। निवर न सबरे सों दुख पावा।।"

उपर्युक्त पंक्तियां किस सूफी कवि की हैं -

1. मालिक मुहम्मद जायसी
2. नूर मुहम्मद
3. उसमान
4. कुतुबन

[Question ID = 307][Question Description = 107_20_Hindi_S3_SEPT22_Q07]
1. 1 [Option ID = 1225]
2. 2 [Option ID = 1226]
3. 3 [Option ID = 1227]
4. 4 [Option ID = 1228]

8) 'हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन' के लेखक हैं -

1. हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. नलिन विलोचन शर्मा
3. राम स्वरूप चतुर्वेदी
4. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

[Question ID = 308][Question Description = 108_20_Hindi_S3_SEPT22_Q08]
1. 1 [Option ID = 1229]
2. 2 [Option ID = 1230]
3. 3 [Option ID = 1231]
4. 4 [Option ID = 1232]

9) 'असाध्य - वीणा' साहित्य - साधना की संकेतक है। प्रियंवद की तरह इसकी साधना में -

1. आत्मान्वेषण करना पड़ता है।
2. परान्वेषण करना पड़ता है।
3. सांस्कृतिक शोध करना पड़ता है।
4. समाज से पराङ्मुख होना पड़ता है।

[Question ID = 309][Question Description = 109_20_Hindi_S3_SEPT22_Q09]
1. 1 [Option ID = 1233]
2. 2 [Option ID = 1234]
3. 3 [Option ID = 1235]
4. 4 [Option ID = 1236]

10) यह आख्यान इतना प्राचीन है कि इतिहास में रुपक का अद्भुत मिश्रण हो गया है। इसीलिए मनु. श्रद्धा और इडा इत्यादि अपना ऐतिहासिक अस्तित्व रखते हुए सांकेतिक अर्थ की भी अभिव्यक्ति करें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं। मनु अर्थात् मन के दोनों पक्ष हृदय और मस्तिष्क का संबंध क्रमशः श्रद्धा इडा से भी सरलता से लग जाता है। "

'कामायनी' के बारे में उपर्युक्त पंक्तियाँ किसकी हैं ?

1. नंददुलारे वाजपेयी
2. जयशंकर प्रसाद
3. गजानन माधव मुक्तिबोध
4. प्रेमशंकर

[Question ID = 310][Question Description = 110_20_Hindi_S3_SEPT22_Q10]

1. 1 [Option ID = 1237]
2. 2 [Option ID = 1238]
3. 3 [Option ID = 1239]
4. 4 [Option ID = 1240]

11) निम्नलिखित में से कौनसा शब्द वाच्यार्थ के लिए प्रयुक्त नहीं होता है ?

1. निश्चित अर्थ
2. मुख्यार्थ
3. अभिधाशक्ति द्वारा ज्ञात अर्थ
4. अन्यार्थ

[Question ID = 311][Question Description = 111_20_Hindi_S3_SEPT22_Q11]

1. 1 [Option ID = 1241]
2. 2 [Option ID = 1242]
3. 3 [Option ID = 1243]
4. 4 [Option ID = 1244]

12) प्लेटो के निम्नलिखित ग्रंथों में आलोचनात्मक सामग्री की दृष्टि से कौन -सा ग्रंथ अधिक उपादेय नहीं है ?

1. फिलेबुस
2. फेद्रुस
3. इओन
4. रिपब्लिक

[Question ID = 312][Question Description = 112_20_Hindi_S3_SEPT22_Q12]

1. 1 [Option ID = 1245]
2. 2 [Option ID = 1246]
3. 3 [Option ID = 1247]
4. 4 [Option ID = 1248]

13) यह कथन - 'शक्ति, व्युत्पत्ति और अभ्यास समन्वित रुप में काव्यहेतु हैं' - निम्नलिखित में से किसका है ?

1. हेमचन्द्र
2. मम्मट
3. दण्डी
4. विश्वनाथ

[Question ID = 313][Question Description = 113_20_Hindi_S3_SEPT22_Q13]
1. 1 [Option ID = 1249]
2. 2 [Option ID = 1250]
3. 3 [Option ID = 1251]
4. 4 [Option ID = 1252]

14) निम्नलिखित में से कौन -सी विशेषता सिर्फ गौण कल्पना की है ?

1. अचेतन
2. संघटन
3. अनैच्छिक
4. विघटन

[Question ID = 314][Question Description = 114_20_Hindi_S3_SEPT22_Q14]
1. 1 [Option ID = 1253]
2. 2 [Option ID = 1254]
3. 3 [Option ID = 1255]
4. 4 [Option ID = 1256]

15) निम्नलिखित अस्तित्ववादी चिन्तकों में से किसने 'सुपरमैन' की कल्पना की है ?

1. कीर्केगार्ड
2. सार्त्र
3. फ्रेडरिक नीत्शे
4. अल्बर्ट कामू

[Question ID = 315][Question Description = 115_20_Hindi_S3_SEPT22_Q15]
1. 1 [Option ID = 1257]
2. 2 [Option ID = 1258]
3. 3 [Option ID = 1259]
4. 4 [Option ID = 1260]

16) निम्नलिखित में से 'हिन्द स्वराज्य' के लेखक हैं -

1. महात्मा गांधी
2. जमनालाल बजाज
3. महादेव देसाई
4. काशीनाथ त्रिवेदी

[Question ID = 316][Question Description = 116_20_Hindi_S3_SEPT22_Q16]
1. 1 [Option ID = 1261]
2. 2 [Option ID = 1262]
3. 3 [Option ID = 1263]
4. 4 [Option ID = 1264]

17) 'रेवातट - समय' के तथा 'पृथ्वीराज रासो' के वे सारे छंद जिन्हें चन्दबरदाई ने 'कवित्त' संज्ञा दी है, वे छन्द - ग्रन्थों में दिए हुए कवित्त के लक्षणों से नहीं मिलते। कवित्त संज्ञक वे छंद हैं -

1. सवैया
2. घनाक्षरी
3. रोला
4. छप्पय

[Question ID = 317][Question Description = 117_20_Hindi_S3_SEPT22_Q17]
1. 1 [Option ID = 1265]
2. 2 [Option ID = 1266]
3. 3 [Option ID = 1267]
4. 4 [Option ID = 1268]

18) "पौन चलत वह देह बढ़ावे। जल पीवत वह जीव गंवावे।

है वह प्यारी सुन्दर नार। नार नहीं पर है वह नार।।"

इस पहेली का सही उत्तर है -

1. स्त्री
2. लता
3. नाली
4. आग

[Question ID = 318][Question Description = 118_20_Hindi_S3_SEPT22_Q18]
1. 1 [Option ID = 1269]
2. 2 [Option ID = 1270]
3. 3 [Option ID = 1271]
4. 4 [Option ID = 1272]

19) "पहिलें घन आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार - पगी।

अब लाय - वियोग की लाय बलाय बढ़ाय, बिसासि दगानि दगी।

अँखियाँ दुखियानि कुबानि परी, न कहुँ लगैं, कौन घरी सु लगी।

मति दौरि थकी, न लहै ठिक ठौर, अमोही के मोह - मिठास ठगी।।"

उक्त सवैया में प्रयुक्त 'लाय' में कौन -सा अलंकार है ?

1. यमक
2. श्लेष
3. वीप्सा
4. अपह्नुति

[Question ID = 319][Question Description = 119_20_Hindi_S3_SEPT22_Q19]
1. 1 [Option ID = 1273]
2. 2 [Option ID = 1274]
3. 3 [Option ID = 1275]
4. 4 [Option ID = 1276]

20) "आयो घोष बड़ो व्योपारी।

लादि खेप गुन ज्ञान - जोग की ब्रज में आय उतारी।

फाटक दै कर हाटक माँगत भोरै निपट सु धारी। "

उक्त पद में प्रयुक्त 'फाटक' शब्द का अर्थ है :

1. चिथड़ा
2. अनाज फटकने से निकला हुआ कदन्न
3. बड़ा दरवाजा
4. झोपड़ी में लगाई जाने वाली टट्टी

[Question ID = 320][Question Description = 120_20_Hindi_S3_SEPT22_Q20]

1. 1 [Option ID = 1277]
2. 2 [Option ID = 1278]
3. 3 [Option ID = 1279]
4. 4 [Option ID = 1280]

21) "काम - मंगल से मंडित श्रेय. सर्ग इच्छा का है परिणाम.

तिरस्कृत कर उसको तुम भूल बनाते हो असफल भव धाम।

उपर्युक्त छंद से स्पष्ट है कि प्रसाद ने -

1. निवृत्ति मार्ग का प्रतिपादन किया है।
2. प्रवृत्ति मार्ग का प्रतिपादन किया है।
3. निराशा और कुंठा को महत्त्व दिया है।
4. काम को गर्हित बताया है।

[Question ID = 321][Question Description = 121_20_Hindi_S3_SEPT22_Q21]

1. 1 [Option ID = 1281]
2. 2 [Option ID = 1282]
3. 3 [Option ID = 1283]
4. 4 [Option ID = 1284]

22) 'परिवर्तन' कविता में पन्त के अनुसार परिवर्तन है :

1. नायक
2. नर्तक
3. निर्देशक
4. विदूषक

[Question ID = 322][Question Description = 122_20_Hindi_S3_SEPT22_Q22]

1. 1 [Option ID = 1285]
2. 2 [Option ID = 1286]
3. 3 [Option ID = 1287]
4. 4 [Option ID = 1288]

23) "अब आप इस बसन्त को ही लो,

यह दिन को ताँत की तरह तानता है

पेड़ों पर लाल - लाल पत्तों के हजारों सुखतल्ले

धूप में, सीझने के लिए

लटकाता है "

उपर्युक्त पंक्तियों से ध्वनित होता है कि :

1. मोचीराम मोची नहीं, शायर है।
2. मोचीराम नये बिंबों और प्रतीकों में बात करता है।
3. मोचीराम वसंत का बयान अपने पेशे की भाषा में करता है।
4. मोचीराम जिंदगी को किताबी ढंग से जीता है।

[Question ID = 323][Question Description = 123_20_Hindi_S3_SEPT22_Q23]

1. 1 [Option ID = 1289]
2. 2 [Option ID = 1290]
3. 3 [Option ID = 1291]
4. 4 [Option ID = 1292]

24) "डूब बची लक्ष्मी पानी में, सती आग में पैठ,

जिये ऊर्मिला, करे प्रतीक्षा, सहे सभी घर बैठ।

विधि से चलता रहे विधान। "

उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में स्त्री की किस मानसिकता का वर्णन हुआ है ?

1. स्त्री की दुनिया घर तक सीमित है।
2. स्त्री सामाजिक विधान को तोड़ने के लिए उद्यत है।
3. स्त्री विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम है।
4. स्त्री अपने दुःख को उत्सवधर्मी बनाना चाहती है।

[Question ID = 324][Question Description = 124_20_Hindi_S3_SEPT22_Q24]

1. 1 [Option ID = 1293]
2. 2 [Option ID = 1294]
3. 3 [Option ID = 1295]
4. 4 [Option ID = 1296]

25) "यह एक ऐसा 'इतिहास' है जो लोक मानस की भागीरथी के साथ बहता, पनपता और फैलता है और जन सामान्य के सांस्कृतिक पुख्तापन में जिन्दा रहता है। "

उपर्युक्त वक्तव्य निम्नलिखित में से किस उपन्यास के आरम्भ में रचनाकार के द्वारा लिखा गया है ?

1. जिंदगीनामा
2. दिलोदानिश
3. समय सरगम
4. मित्रो मरजानी

[Question ID = 325][Question Description = 125_20_Hindi_S3_SEPT22_Q25]

1. 1 [Option ID = 1297]
2. 2 [Option ID = 1298]
3. 3 [Option ID = 1299]
4. 4 [Option ID = 1300]

26) "क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि नारी परीक्षा नहीं चाहती, प्रेम चाहती है। परीक्षा गुणों को अवगुण, सुन्दर को असुंदर बनाने वाली चीज है; प्रेम अवगुणों को गुण बनाता है, असुंदर को सुन्दर। "

उपर्युक्त संवाद 'गोदान' के किन पात्रों के मध्य हुआ है ?

1. मालती और मेहता
2. धनिया और होरी
3. झुनिया और गोबर
4. गोविन्दी और खन्ना

[Question ID = 326][Question Description = 126_20_Hindi_S3_SEPT22_Q26]

1. 1 [Option ID = 1301]
2. 2 [Option ID = 1302]
3. 3 [Option ID = 1303]
4. 4 [Option ID = 1304]

27) 'मेरठ में सर्वसुख नामक एक अग्रवाल बनिया था' - इस वाक्य से आरम्भ होने वाली कथा कृति कौन सी है ?

1. वामा शिक्षक
2. भाग्यवती
3. निस्सहाय हिन्दू
4. देवरानी जेठानी की कहानी

[Question ID = 327][Question Description = 127_20_Hindi_S3_SEPT22_Q27]

1. 1 [Option ID = 1305]
2. 2 [Option ID = 1306]
3. 3 [Option ID = 1307]
4. 4 [Option ID = 1308]

28) 'परीक्षा गुरु' उपन्यास में 'अध्याय' या 'परिच्छेद' के स्थान पर किस शब्द का प्रयोग किया गया है ?

1. अनुच्छेद
2. प्रकरण
3. सर्ग
4. काल

[Question ID = 328][Question Description = 128_20_Hindi_S3_SEPT22_Q28]
1. 1 [Option ID = 1309]
2. 2 [Option ID = 1310]
3. 3 [Option ID = 1311]
4. 4 [Option ID = 1312]

29) "किसी श्रीमान जमींदार के महल के पास एक गरीब अनाथ विधवा की झोपड़ी थी। जमींदार को अपने महल का हाता उस झोपड़ी तक बढ़ाने की इच्छा हुई। "

उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कहानी की प्रारंभिक पंक्तियां हैं ?

1. एक टोकरी भर मिट्टी
2. पूस की रात
3. सवदिया
4. ठाकुर का कुआं

[Question ID = 329][Question Description = 129_20_Hindi_S3_SEPT22_Q29]
1. 1 [Option ID = 1313]
2. 2 [Option ID = 1314]
3. 3 [Option ID = 1315]
4. 4 [Option ID = 1316]

30) 'ईदगाह' कहानी में 'मोहसिन' मेले से कौन सा खिलौना खरीदता है ?

1. वकील
2. सिपाही
3. खंजरी
4. भिश्ती

[Question ID = 330][Question Description = 130_20_Hindi_S3_SEPT22_Q30]
1. 1 [Option ID = 1317]
2. 2 [Option ID = 1318]
3. 3 [Option ID = 1319]
4. 4 [Option ID = 1320]

31) चंद्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा रचित कहानी नहीं है।

1. कछुआ धर्म
2. उसने कहा था
3. बुद्धु का कांटा
4. सुखमय जीवन

[Question ID = 331][Question Description = 131_20_Hindi_S3_SEPT22_Q31]
1. 1 [Option ID = 1321]

2. 2 [Option ID = 1322]
3. 3 [Option ID = 1323]
4. 4 [Option ID = 1324]

32) निर्मल वर्मा द्वारा रचित कहानी नहीं है -

1. अँधेरे में
2. दूसरी दुनिया
3. पिछली गर्मियों में
4. बादलों के घेरे में

[Question ID = 332][Question Description = 132_20_Hindi_S3_SEPT22_Q32]
1. 1 [Option ID = 1325]
2. 2 [Option ID = 1326]
3. 3 [Option ID = 1327]
4. 4 [Option ID = 1328]

33) 'अंधेर नगरी' के आधार पर कहा जा सकता है कि भारतेन्दु की साहित्य - संबंधी अवधारणा है -

1. साहित्य बैठे ठालों का विलास है।
2. साहित्य नागर जनों के मनोरंजन हेतु है।
3. साहित्य ग्रामीण जनों की शिक्षा के लिए है।
4. साहित्य की सामाजिक भूमिका होती है।

[Question ID = 333][Question Description = 133_20_Hindi_S3_SEPT22_Q33]
1. 1 [Option ID = 1329]
2. 2 [Option ID = 1330]
3. 3 [Option ID = 1331]
4. 4 [Option ID = 1332]

34) "विजय तृष्णा का अंत पराभव में होता है. अलक्षेन्द्र ! राजसत्ता सुव्यवस्था से बढे तो बढ़ सकती है. केवल विजय से नहीं। "

यह विचार 'चन्द्रगुप्त' के किस चरित्र का है ?

1. चाणक्य
2. दाण्ड्यायन
3. चन्द्रगुप्त
4. आजीवक

[Question ID = 334][Question Description = 134_20_Hindi_S3_SEPT22_Q34]
1. 1 [Option ID = 1333]
2. 2 [Option ID = 1334]
3. 3 [Option ID = 1335]
4. 4 [Option ID = 1336]

35) "समस्त मानव जीवन के प्रवर्तक भाव या मनोविकार ही होते हैं. मनुष्य की प्रवृत्तियों की तह में अनेक प्रकार के भाव ही प्रेरक के रुप में पाए जाते हैं। शील या चरित्र का मूल भी भावों के विशेष प्रकार के संगठन में ही समझना चाहिए। "

उपर्युक्त पंक्तियाँ किस निबंध से उद्धृत हैं ?

1. कविता क्या है ?
2. भाव या मनोविकार
3. मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
4. तुम चन्दन हम पानी

[Question ID = 335][Question Description = 135_20_Hindi_S3_SEPT22_Q35]

1. 1 [Option ID = 1337]
2. 2 [Option ID = 1338]
3. 3 [Option ID = 1339]
4. 4 [Option ID = 1340]

36) "युगों के अनवरत प्रवाह में बड़े - बड़े साम्राज्य बह गए. संस्कृतियाँ लुप्त हो गयीं जातियाँ मिट गयीं. संसार में अनेक असंभव परिवर्तन संभव हो गए. परन्तु भारतीय स्त्रियों के ललाट में विधि की बज्रलेखनी से अंकित अदृष्ट लिपि नहीं धुल सकी। "

उपर्युक्त पंक्तियों के रचनाकार हैं -

1. सुभद्राकुमारी चौहान
2. महादेवी वर्मा
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

[Question ID = 336][Question Description = 136_20_Hindi_S3_SEPT22_Q36]

1. 1 [Option ID = 1341]
2. 2 [Option ID = 1342]
3. 3 [Option ID = 1343]
4. 4 [Option ID = 1344]

37) "जइसन कहत बाड़ा जोगी.

वइसन बढ़त बाड़े रोगी.

बड़ ससतिया सहबा राम। "

उपर्युक्त पद किस आत्मकथा में उद्धृत है ?

1. मुर्दहिया
2. तिरस्कृत
3. हादसे
4. आप हुदरी

[Question ID = 337][Question Description = 137_20_Hindi_S3_SEPT22_Q37]

1. 1 [Option ID = 1345]
2. 2 [Option ID = 1346]

3. 3 [Option ID = 1347]
4. 4 [Option ID = 1348]

38) 'अरे यायावर रहेगा याद' किस विधा की रचना है ?

1. यात्रा साहित्य
2. आत्मकथा
3. रिपोर्ताज
4. डायरी

[Question ID = 338][Question Description = 138_20_Hindi_S3_SEPT22_Q38]
1. 1 [Option ID = 1349]
2. 2 [Option ID = 1350]
3. 3 [Option ID = 1351]
4. 4 [Option ID = 1352]

39) हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा नहीं है -

1. नीड़ का निर्माण फिर
2. आज के अतीत
3. क्या भूलूं क्या याद करुं
4. बसेरे से दूर

[Question ID = 339][Question Description = 139_20_Hindi_S3_SEPT22_Q39]
1. 1 [Option ID = 1353]
2. 2 [Option ID = 1354]
3. 3 [Option ID = 1355]
4. 4 [Option ID = 1356]

40) 'आवारा मसीहा' में शरतचंद्र का जन्म - स्थान कहाँ दर्शाया गया है ?

1. देवानन्दपुर
2. भागलपुर
3. बसन्तपुर
4. कृष्णपुर

[Question ID = 340][Question Description = 140_20_Hindi_S3_SEPT22_Q40]
1. 1 [Option ID = 1357]
2. 2 [Option ID = 1358]
3. 3 [Option ID = 1359]
4. 4 [Option ID = 1360]

41) रीति साहित्य के बारे में हजारीप्रसाद द्विवेदी का कथन है -

A. रीति काव्य मादक कविता का साहित्य हैं।

B. रीति कविताएं पाठकों में सामाजिक - चेतना का भाव भी पैदा करती हैं।

C. रीति साहित्य में चित्रित नारी अपनी महिमा से महीयसी नहीं बन पायी है।

D. रीति कवि दरबारी मनोवृत्ति से परिचित होने पर राज्याश्रयों से विमुख होने लगे।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और C
2. केवल A और B
3. केवल A और D
4. केवल B और C

[Question ID = 341][Question Description = 141_20_Hindi_S3_SEPT22_Q41]

1. 1 [Option ID = 1361]
2. 2 [Option ID = 1362]
3. 3 [Option ID = 1363]
4. 4 [Option ID = 1364]

42) हिन्दी साहित्यकारों के जीवन पर आधारित उपन्यास

(A) महासमर

(B) मानस का हंस

(C) बाणभट्ट की आत्मकथा

(D) खंजन नयन

नीचे दिए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(1) (B) और (D)

(2) (A) और (B)

(3) (B) और (C)

(4) (C) और (D)

[Question ID = 342][Question Description = 142_20_Hindi_S3_SEPT22_Q42]

1. 1 [Option ID = 1365]
2. 2 [Option ID = 1366]
3. 3 [Option ID = 1367]
4. 4 [Option ID = 1368]

43) इनमें से भिखारीदास की रचनाएं हैं -

A. काव्यनिर्णय

B. अंगदर्पण

C. श्रृंगारनिर्णय

D. रसपीयूषनिधि

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और C
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल B और D

[Question ID = 343][Question Description = 143_20_Hindi_S3_SEPT22_Q43]

1. 1 [Option ID = 1369]
2. 2 [Option ID = 1370]
3. 3 [Option ID = 1371]
4. 4 [Option ID = 1372]

44) "जेहि न मित्र. दुख होंहि दुखारी

तिन्हहि विलोकत पातक भारी"

उपर्युक्त चोपाई का सही अर्थ है -

A. जो मित्रों के दुख से दुखी नहीं होता उसे देखना भी पाप है।

B. मित्रों के दुख से दुखी होना उचित होते हुए भी जरूरी नहीं है।

C. मित्रता ऐसी हो जिसमें लाभ - हानि की भावना छिपी हो।

D. मित्रता का निर्वहन न करने वाले को देखना भी पाप है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और D
2. केवल A और B
3. केवल B और C
4. केवल B और D

[Question ID = 344][Question Description = 144_20_Hindi_S3_SEPT22_Q44]

1. 1 [Option ID = 1373]
2. 2 [Option ID = 1374]
3. 3 [Option ID = 1375]
4. 4 [Option ID = 1376]

45) भारतेन्दु हरिश्चंद्र की रचनाएं नहीं हैं :

A. सतसई सिंगार

B. प्रेम माधुरी

C. उम्र खैयाम की रुबाइयाँ

D. जार्ज वन्दना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और C
2. केवल B और D
3. केवल A और B
4. केवल C और D

[Question ID = 345][Question Description = 145_20_Hindi_S3_SEPT22_Q45]

1. 1 [Option ID = 1377]
2. 2 [Option ID = 1378]
3. 3 [Option ID = 1379]
4. 4 [Option ID = 1380]

46) शाब्दी व्यंजना के प्रकार हैं -

A. आर्थी व्यंजना

B. लक्षणामूला

C. अभिधामूला

D. लक्ष्य संभवा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल A और D
4. केवल C और D

[Question ID = 346][Question Description = 146_20_Hindi_S3_SEPT22_Q46]

1. 1 [Option ID = 1381]
2. 2 [Option ID = 1382]
3. 3 [Option ID = 1383]
4. 4 [Option ID = 1384]

47) आई. ए. रिचर्ड्स की दृष्टि में काव्यभाषा की विशेषताएं हैं -

A. छद्म कथन की प्राथमिकता

B. सूचनात्मक अर्थ की प्राथमिकता

C. रागात्मक अर्थ की प्राथमिकता

D. तथ्यात्मक अर्थ की प्राथमिकता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और D
2. केवल B और C
3. केवल A और C
4. केवल B और D

[Question ID = 347][Question Description = 147_20_Hindi_S3_SEPT22_Q47]

1. 1 [Option ID = 1385]
2. 2 [Option ID = 1386]
3. 3 [Option ID = 1387]
4. 4 [Option ID = 1388]

48) 'रेवातट समय' में वर्णित गजनी नरेश की मुक्ति से संबंधित कौन सी बातें सही हैं ?

A. गजनी नरेश के अमीरों ने दंड स्वरूप हाथी - घोड़े और मणि - माणिक्य देकर गोरी को बंदी गृह से मुक्त कराया।

B. खिज्र खां और दूसरे सुलतानों के दबाव में आकर पृथ्वीराज चौहान ने गोरी को मुक्त किया।

C. सुलह और शांति स्थापित करके पृथ्वीराज ने गजनी नरेश को ससम्मान उसके घर भेजा।

D. पृथ्वीराज ने गजनी नरेश को पुनः युद्ध न करने की चेतावनी देकर भगा दिया।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल B और C
4. केवल C और D

[Question ID = 348][Question Description = 148_20_Hindi_S3_SEPT22_Q48]

1. 1 [Option ID = 1389]
2. 2 [Option ID = 1390]
3. 3 [Option ID = 1391]
4. 4 [Option ID = 1392]

49) 'सुखिया सब संसार है खाये अरु सोवै।

दुखिया दास कबीर है जागे अरु रोवै।।'

इस कविता के सही प्रतिपाद्य हैं -

A. संसार के सभी लोग भौतिक रूप से सुखी और समृद्ध हैं।

B. आर्थिक अभाव के कारण कबीर दुखी थे।

C. कबीर को संसार की नश्वरता का बोध था. इसलिए उनमें इससे मुक्त होने की तड़प थी।

D. दुनिया के लोग संसार की नश्वरता के बारे में जानते हुए भी बेपरवाह थे।

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और C
2. केवल B और D
3. केवल C और D
4. केवल A और D

[Question ID = 349][Question Description = 149_20_Hindi_S3_SEPT22_Q49]

1. 1 [Option ID = 1393]
2. 2 [Option ID = 1394]
3. 3 [Option ID = 1395]
4. 4 [Option ID = 1396]

50) 'आए जोग सिखावन पाँड़े। .....' पद से संबंधित सही तथ्य हैं -

A. गोपियाँ खुश होकर कहती हैं कि पंडित जी हमें ज्ञान देने आए हैं।

B. हमारे परम धाम कृष्ण हैं और हम सब उन्हीं से प्रेम करती हैं।

C. दूध - घी और भात खाने से भूख मिटती है. हवा खाने से नहीं।

D. गोपियाँ कहती हैं कि उद्धव जी हमारे गाँव में चोर पकड़ने आए हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल B और D

[Question ID = 350][Question Description = 150_20_Hindi_S3_SEPT22_Q50]

1. 1 [Option ID = 1397]
2. 2 [Option ID = 1398]
3. 3 [Option ID = 1399]
4. 4 [Option ID = 1400]

51) 'निरख सखी ये खंजन आए. ' गीत से संबंधित तथ्य हैं -

A. मेरे प्रिय ने अयोध्या की ओर रुख करके मेरा ध्यान किया है. इसलिए उनकी आँखों के प्रतीक खंजन यहाँ दिखाई देने लगे हैं।

B. उर्मिला कहती है कि मेरे प्रिय ने मेरा ध्यान किया है. इसलिए कामदेव डरकर भाग गया हैं।

C. उन्होंने मेरा ध्यान किया और मुस्कुराए. इसलिए यहाँ कमल खिल उठे हैं।

D. मैंने भी ध्यान करके अपने हृदय - दर्पण में प्रिय की छवि देख ली है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल A और D
4. केवल C और D

[Question ID = 351][Question Description = 151_20_Hindi_S3_SEPT22_Q51]

1. 1 [Option ID = 1401]
2. 2 [Option ID = 1402]
3. 3 [Option ID = 1403]
4. 4 [Option ID = 1404]

52) "नीरव मुरली. कलरव चुप अलि कुल थे बन्द नलिन में

कालिन्दी बही प्रणय की इस तममय हृदय पुलिन में। "

उपर्युक्त छंद से संबंधित सही भाव हैं -

A. दुखी और अंधकारमय हृदय में प्रेम की कालिन्दी प्रवाहित हो उठी।

B. प्रेम में आबद्ध व्यक्ति परम शांति और सुख का अनुभव कर रहा है।

C. दुखी हृदय में व्याप्त अंधेरे को प्रेम की यमुना भी नहीं बहा सकी।

D. बाँसुरी के स्वर मौन थे. इसलिए भौंरे भी गुंजार नहीं कर रहे थे।

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और D
2. केवल A और B
3. केवल B और C
4. केवल B और D

[Question ID = 352][Question Description = 152_20_Hindi_S3_SEPT22_Q52]

1. 1 [Option ID = 1405]
2. 2 [Option ID = 1406]
3. 3 [Option ID = 1407]
4. 4 [Option ID = 1408]

53) 'मानस का हंस' उपन्यास में वर्णित है -

A. राम और काम का द्वंद्व

B. पत्नी के प्रति अतिशय आसक्ति

C. सांसारिकता के प्रति पुनः आसक्ति

D. काशी की वेश्या के प्रति तुलसी का सफल प्रेम

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और C
2. केवल B और D
3. केवल A और B
4. केवल A और D

[Question ID = 353][Question Description = 153_20_Hindi_S3_SEPT22_Q53]

1. 1 [Option ID = 1409]
2. 2 [Option ID = 1410]
3. 3 [Option ID = 1411]
4. 4 [Option ID = 1412]

54) 'तमस' उपन्यास में वर्णित है -

A. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

B. विभाजन की पृष्ठभूमि

C. सांप्रदायिक विद्वेष

D. अंग्रेजों की दयनीय स्थिति

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल A और C
3. केवल B और D
4. केवल B और C

[Question ID = 354][Question Description = 154_20_Hindi_S3_SEPT22_Q54]

1. 1 [Option ID = 1413]
2. 2 [Option ID = 1414]
3. 3 [Option ID = 1415]
4. 4 [Option ID = 1416]

55) 'धरती धन न अपना' उपन्यास आधारित है -

A. पंजाब की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर

B. दलित जीवन पर

C. स्वाधीनता आंदोलन पर

D. आपातकाल पर

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और C
2. केवल B और D
3. केवल A और B
4. केवल B और C

[Question ID = 355][Question Description = 155_20_Hindi_S3_SEPT22_Q55]

1. 1 [Option ID = 1417]
2. 2 [Option ID = 1418]
3. 3 [Option ID = 1419]
4. 4 [Option ID = 1420]

56) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' का केंद्रीय विषय है -

A. उदात्त प्रेम

B. लोक संस्कृति का सजीव और रससिक्त अंकन

C. वैशाली और तक्षशिला गणराज्यों का इतिहास

D. ईसा पूर्व बौद्धकालीन भारत की संस्कृति

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल B और D
4. केवल A और D

[Question ID = 356][Question Description = 156_20_Hindi_S3_SEPT22_Q56]

1. 1 [Option ID = 1421]
2. 2 [Option ID = 1422]
3. 3 [Option ID = 1423]
4. 4 [Option ID = 1424]

57) 'सोज़ेवतन' संग्रह की कहानियां हैं -

A. यही मेरा वतन है

B. आहुति

C. सांसारिक प्रेम और देश - प्रेम

D. जुलूस

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल A और C
4. केवल C और D

[Question ID = 357][Question Description = 157_20_Hindi_S3_SEPT22_Q57]

1. 1 [Option ID = 1425]
2. 2 [Option ID = 1426]
3. 3 [Option ID = 1427]
4. 4 [Option ID = 1428]

58) 'आकाशदीप' कहानी के वर्ण्य विषय हैं ?

A. आत्मसमर्पण

B. पिता की हत्या का प्रतिशोध

C. प्रच्छन्न प्रेम

D. पुरुष की निरंकुशता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. केवल B और C
2. केवल A और B
3. केवल A और D
4. केवल B और D

[Question ID = 358][Question Description = 158_20_Hindi_S3_SEPT22_Q58]

1. 1 [Option ID = 1429]
2. 2 [Option ID = 1430]
3. 3 [Option ID = 1431]
4. 4 [Option ID = 1432]

59) 'राजा निरबंसिया' कहानी के पात्र हैं -

A. महेस पांडे

B. बचन सिंह

C. सरदारी लाल

D. जगपती

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और D
3. केवल B और C
4. केवल A और C

[Question ID = 359][Question Description = 159_20_Hindi_S3_SEPT22_Q59]

1. 1 [Option ID = 1433]
2. 2 [Option ID = 1434]
3. 3 [Option ID = 1435]
4. 4 [Option ID = 1436]

60) 'अंधा युग' के अंकों के नाम हैं -

A. कौरव नगरी का विनाश

B. पांडव विजय

C. पशु का उदय

D. गांधारी का शाप

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल A और D
3. केवल B और D
4. केवल C और D

[Question ID = 360][Question Description = 160_20_Hindi_S3_SEPT22_Q60]

1. 1 [Option ID = 1437]
2. 2 [Option ID = 1438]
3. 3 [Option ID = 1439]
4. 4 [Option ID = 1440]

61) 'बकरी' नाटक के बारे में स्वयं लेखक के विचार हैं -

A. यह नाटक न लिखा जाता यदि हिन्दी में कोई ऐसा नाटक होता जिसमें जनचेतना को लोकभाषा और लोकरूपों के माध्यम से सामाजिक अन्याय के साथ जोड़ने का एक नया व्याकरण देखने को मिलता।

B. यह नाटक लिख लेने के बाद मैंने इब्राहीम अल्काज़ी से आग्रह किया कि इसे रंगमंच पर प्रस्तुत करें।

C. इस नाटक के सभी निर्देशकों ने इसके मूल आलेख में कोई परिवर्तन नहीं किया।

D. यदि हिन्दी के नाटककार यशः प्रार्थी न होकर आम आदमी की पीड़ा, आम आदमी की ज़बान में आम आदमी के बीच ले जाना हिन्दी रंगमंच के लिए अनिवार्य मानते तो यह नाटक न लिखा जाता।

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल A और D
4. केवल B और D

[Question ID = 361][Question Description = 161_20_Hindi_S3_SEPT22_Q61]

1. 1 [Option ID = 1441]
2. 2 [Option ID = 1442]
3. 3 [Option ID = 1443]
4. 4 [Option ID = 1444]

62) 'शिवशंभु के चिट्ठे' की विशेषताएं हैं -

A. भारतीय राजनीति की उपेक्षा

B. राजप्रशस्ति

C. अंग्रेजों का कुशासन

D. भारतीय जनता का दमन और उसके द्वारा प्रतिरोध

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल A और D

[Question ID = 362][Question Description = 162_20_Hindi_S3_SEPT22_Q62]

1. 1 [Option ID = 1445]
2. 2 [Option ID = 1446]
3. 3 [Option ID = 1447]
4. 4 [Option ID = 1448]

63) छायावाद के बारे में सही कथन हैं -

A. छायावाद के जन्म में रीतिवाद का विरोध नहीं था।

B. रीतिकालीन अतिशय शृंगारिकता के कारण छायावाद का जन्म हुआ।

C. छायावाद जहाँ तक आध्यात्मिक प्रेम लेकर चला है वहाँ तक तो रहस्यवाद के ही अन्तर्गत रहा है।

D. मानवतावादी दृष्टि के पेट से ही काव्य में छायावाद का जन्म हुआ।

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल C और D
2. केवल A और B
3. केवल B और C
4. केवल A और D

[Question ID = 363][Question Description = 163_20_Hindi_S3_SEPT22_Q63]

1. 1 [Option ID = 1449]
2. 2 [Option ID = 1450]
3. 3 [Option ID = 1451]
4. 4 [Option ID = 1452]

64) 'एक कहानी यह भी' के परिप्रेक्ष्य में सही तथ्य हैं -

A. स्त्री - पुरुष समानता की अभिव्यक्ति

B. भोगे हुए यथार्थ का मार्मिक चित्रण

C. पुरुष वर्चस्ववाद को चुनौती

D. स्त्री की पक्षधरता का निषेध

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल C और D
3. केवल B और C
4. केवल A और C

[Question ID = 364][Question Description = 164_20_Hindi_S3_SEPT22_Q64]

1. 1 [Option ID = 1453]
2. 2 [Option ID = 1454]
3. 3 [Option ID = 1455]
4. 4 [Option ID = 1456]

65) 'संस्कृति के चार अध्याय' के प्रथम अध्याय में किन विषयों पर चर्चा की गई है ?

A. आर्य - द्रविड़ - संबंध

B. भक्ति की प्राचीनता

C. हिन्दू संस्कृति की पाचन शक्ति

D. प्राचीन भारत और बाह्य विश्व

नीचे दिए गए विकल्पों में से **सही उत्तर** का चयन कीजिए :

1. केवल A और B
2. केवल B और C
3. केवल C और D
4. केवल A और C

[Question ID = 365][Question Description = 165_20_Hindi_S3_SEPT22_Q65]

1. 1 [Option ID = 1457]
2. 2 [Option ID = 1458]
3. 3 [Option ID = 1459]
4. 4 [Option ID = 1460]

66) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. विजय देवनारायण साही	I. हिन्दी साहित्य : एक आधुनिक परिदृश्य
B. अज्ञेय	II. हिन्दी आलोचना की बीसवीं शताब्दी
C. रामस्वरूप चतुर्वेदी	III. जायसी
D. निर्मला जैन	IV. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - I, C - III, D - IV
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - IV, B - II, C - III, D - I

[Question ID = 366][Question Description = 166_20_Hindi_S3_SEPT22_Q66]

1. 1 [Option ID = 1461]
2. 2 [Option ID = 1462]
3. 3 [Option ID = 1463]
4. 4 [Option ID = 1464]

67) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. विलियम वड्र्सवर्थ	I. सच्ची आलोचना का लक्ष्य कवि नहीं, कविता है।
B. टी. एस. इलियट	II. मन आवेगों का तंत्र है।
C. आई. ए. रिचड्र्स	III. गौण कल्पना वस्तु और रूप में संगति स्थापित करती है।
D. कोलरिज	IV. गद्य और काव्य की भाषा में भेद नहीं है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - I, C - III, D - IV
3. A - IV, B - I, C - II, D - III
4. A - IV, B - II, C - I, D - III

[Question ID = 367][Question Description = 167_20_Hindi_S3_SEPT22_Q67]

1. 1 [Option ID = 1465]
2. 2 [Option ID = 1466]
3. 3 [Option ID = 1467]
4. 4 [Option ID = 1468]

68) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. पग बाँध घुंघर्या गाच्या री	I. सूरदास
B. बहुविध चित्र बणाय के हरि रच्यौ क्रीड़ा - रास	II. मलिक मुहम्मद जायसी
C. तेहि दुख भए परास निपाते। लोहू बूडि उठे होइ राते।।	III. मीरां
D. काहे को गोपीनाथ कहावत ?	IV. कबीर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - IV, C - II, D - I
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - I, B - III, C - IV, D - II

[Question ID = 368][Question Description = 168_20_Hindi_S3_SEPT22_Q68]

1. 1 [Option ID = 1469]
2. 2 [Option ID = 1470]
3. 3 [Option ID = 1471]
4. 4 [Option ID = 1472]

69) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. मैं तुम्हारे हाथ का लीला - कमल हूँ. प्राण के सर में उतरना चाहता हूँ।	I. धूमिल
B. वे इस कदर पस्त हैं : कि तटस्थ हैं।	II. मुक्तिबोध
C. क्योंकि बहना रेत होना है। हम बहेंगे तो रहेंगे ही नहीं।	III. रामधारी सिंह दिनकर
D. सब चुप / साहित्यिक चुप और कविजन निर्वाक/ चिंतक, शिल्पकार, नर्तक चुप हैं	IV. अज्ञेय

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - IV, C - III, D - II
2. A - III, B - I, C - IV, D - II
3. A - I, B - II, C - III, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

[Question ID = 369][Question Description = 169_20_Hindi_S3_SEPT22_Q69]

1. 1 [Option ID = 1473]
2. 2 [Option ID = 1474]
3. 3 [Option ID = 1475]
4. 4 [Option ID = 1476]

70) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. परीक्षा गुरु	I. गोविन्दी
B. देवरानी जेठानी की कहानी	II. लाला मदनमोहन
C. शेखर एक जीवनी	III. सर्वसुख बनिया
D. गोदान	IV. शारदा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - II, B - III, C - IV, D - I
2. A - I, B - II, C - III, D - IV
3. A - III, B - I, C - II, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

[Question ID = 370][Question Description = 170_20_Hindi_S3_SEPT22_Q70]

1. 1 [Option ID = 1477]
2. 2 [Option ID = 1478]
3. 3 [Option ID = 1479]
4. 4 [Option ID = 1480]

71) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. पंजाब	I. आधा गाँव
B. पूर्णिया	II. रागदरबारी
C. शिवपाल गंज	III. मैला आंचल
D. गंगौली	IV. जिंदगीनामा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - III, B - I , C - II, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - I, B - II, C - III, D - IV
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

[Question ID = 371][Question Description = 171_20_Hindi_S3_SEPT22_Q71]

1. 1 [Option ID = 1481]
2. 2 [Option ID = 1482]
3. 3 [Option ID = 1483]
4. 4 [Option ID = 1484]

72) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. दुनिया का सबसे अनमोल रतन	I. वृद्धों की उपेक्षा
B. अमृतसर आ गया है	II. पुरानी और नई पीढ़ी का द्वंद्व
C. चीफ की दावत	III. देश विभाजन
D. पिता	IV. देश -प्रेम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - IV, B - III , C - I, D - II
2. A - I, B - II, C - III, D - IV
3. A - II, B - IV, C - III, D - I
4. A - III, B - II, C - I, D - IV

[Question ID = 372][Question Description = 172_20_Hindi_S3_SEPT22_Q72]

1. 1 [Option ID = 1485]
2. 2 [Option ID = 1486]
3. 3 [Option ID = 1487]
4. 4 [Option ID = 1488]

73) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. आलस्य	I. देश की दुर्दशा निहारोगे, डूबते को कभी उबारोगे।
B. देवसेना	II. बकरी को क्या पता था मशक बन के रहेगी, पानी भरेंगे लोग और वह कुछ न कहेगी।
C. गांधारी	III. मैंने कहा था दुर्योधन से धर्म जिधर होगा ओ मूर्ख ! उधर जय होगी !
D. भिश्ती	IV. दुनिया में हाथ - पैर हिलाना नहीं अच्छा। मर जाना पै उठ के कहीं जाना नहीं अच्छा।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - IV, B - I, C - III, D - II
2. A - I, B - IV, C - II, D - III
3. A - II, B - III, C - I, D - IV
4. A - III, B - II, C - IV, D - I

[Question ID = 373][Question Description = 173_20_Hindi_S3_SEPT22_Q73]

1. 1 [Option ID = 1489]
2. 2 [Option ID = 1490]
3. 3 [Option ID = 1491]
4. 4 [Option ID = 1492]

74) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. महाकवि की तर्जनी	I. हरिशंकर परसाई
B. आवारा भीड़ के खतरे	II. शरद जोशी
C. आस्था और सौन्दर्य	III. कुबेरनाथ राय
D. रहा किनारे बैठ	IV. रामविलास शर्मा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - III, B - I, C - IV, D - II
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - II, B - III, C - IV, D - I

[Question ID = 374][Question Description = 174_20_Hindi_S3_SEPT22_Q74]

1. 1 [Option ID = 1493]
2. 2 [Option ID = 1494]
3. 3 [Option ID = 1495]
4. 4 [Option ID = 1496]

75) सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I	सूची -II
A. हरिशंकर परसाई	I. क्या भूलूं क्या याद करूं
B. हरिवंशराय बच्चन	II. संस्कृति के चार अध्याय
C. रामधारी सिंह दिनकर	III. हादसे
D. रमणिका गुप्ता	IV. भोलाराम का जीव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - IV, B - I, C - II, D - III
4. A - III, B - IV, C - I, D - II

[Question ID = 375][Question Description = 175_20_Hindi_S3_SEPT22_Q75]

1. 1 [Option ID = 1497]
2. 2 [Option ID = 1498]
3. 3 [Option ID = 1499]
4. 4 [Option ID = 1500]

76) प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है -

A. प्रजा हितैषी

B. माधुरी

C. हंस (प्रेमचंद द्वारा संपादित)

D. आलोचना

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, D, B
2. B, A, C, D
3. A, B, C, D
4. B, C, A, D

[Question ID = 376][Question Description = 176_20_Hindi_S3_SEPT22_Q76]

1. 1 [Option ID = 1501]
2. 2 [Option ID = 1502]
3. 3 [Option ID = 1503]
4. 4 [Option ID = 1504]

77) प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है -

A. हिन्दी साहित्य की भूमिका

B. बाणभट्ट की आत्मकथा

C. हिन्दी साहित्य का आदिकाल

D. सूर साहित्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, D, C
2. B, C, A, D
3. D, A, B, C
4. C, A, B, D

[Question ID = 377][Question Description = 177_20_Hindi_S3_SEPT22_Q77]

1. 1 [Option ID = 1505]
2. 2 [Option ID = 1506]
3. 3 [Option ID = 1507]
4. 4 [Option ID = 1508]

78) प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से निम्नलिखित आलोचना पुस्तकों का सही अनुक्रम है -

A. साइंस एण्ड पोइट्री

B. बायोग्राफिया लिटरेरिया

C. द सेक्रेड वुड

D. प्रैक्टिकल क्रिटिसिज्म

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, C, D, B
2. B, C, A, D
3. C, B, A, D
4. A, B, D, C

[Question ID = 378][Question Description = 178_20_Hindi_S3_SEPT22_Q78]

1. 1 [Option ID = 1509]
2. 2 [Option ID = 1510]
3. 3 [Option ID = 1511]
4. 4 [Option ID = 1512]

79) 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' (रामचंद्र शुक्ल) के 'आदिकाल' के प्रारंभिक चार प्रकरणों का सही अनुक्रम है :

A. अपभ्रंश काव्य

B. सामान्य परिचय

C. फुटकल रचनाएं

D. देशभाषा काव्य

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. D, B, C, A
2. B, A, D, C
3. A, B, C, D
4. C, D, A, B

[Question ID = 379][Question Description = 179_20_Hindi_S3_SEPT22_Q79]

1. 1 [Option ID = 1513]
2. 2 [Option ID = 1514]
3. 3 [Option ID = 1515]
4. 4 [Option ID = 1516]

80) प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से अज्ञेय के निम्नलिखित काव्य संग्रहों का सही अनुक्रम है :

A. सागर मुद्रा

B. नदी की बाँक पर छाया

C. आँगन के पार द्वार

D. पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. C, A, D, B
2. A, B, C, D
3. D, C, B, A
4. B, D, A, C

[Question ID = 380][Question Description = 180_20_Hindi_S3_SEPT22_Q80]

1. 1 [Option ID = 1517]
2. 2 [Option ID = 1518]
3. 3 [Option ID = 1519]
4. 4 [Option ID = 1520]

81) प्रकाशन वर्ष के अनुसार कृष्णा सोबती के उपन्यासों का सही अनुक्रम है -

A. समय सरगम

B. जिन्दगीनामा

C. सूरजमुखी अंधेरे के

D. दिलो दानिश

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. C, B, D, A
2. A, B, C, D
3. D, C, B, A
4. B, D, A, C

[Question ID = 381][Question Description = 181_20_Hindi_S3_SEPT22_Q81]

1. 1 [Option ID = 1521]
2. 2 [Option ID = 1522]
3. 3 [Option ID = 1523]
4. 4 [Option ID = 1524]

82) प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित उपन्यासों का सही अनुक्रम है -

A. राग दरबारी

B. अंधेरे बंद कमरे

C. बाणभट्ट की आत्मकथा

D. मैला आंचल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D
2. B, C, D, A
3. D, C, B, A
4. C, D, B, A

[Question ID = 382][Question Description = 182_20_Hindi_S3_SEPT22_Q82]

1. 1 [Option ID = 1525]
2. 2 [Option ID = 1526]
3. 3 [Option ID = 1527]
4. 4 [Option ID = 1528]

83) प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से सही अनुक्रम है -

A. आकाशदीप

B. तर्क और तूफान

C. इन्द्रजाल

D. पाजेब

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. A, B, C, D
2. C, A, B, D
3. A, C, D, B
4. B, A, C, D

[Question ID = 383][Question Description = 183_20_Hindi_S3_SEPT22_Q83]

1. 1 [Option ID = 1529]
2. 2 [Option ID = 1530]
3. 3 [Option ID = 1531]
4. 4 [Option ID = 1532]

84) प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से जयशंकर प्रसाद के निम्नलिखित नाटकों का सही अनुक्रम है :

A. कामना

B. राज्यश्री

C. विशाख

D. प्रायश्चित

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. D, A, C, B
2. B, D, A, C
3. A, C, B, D
4. D, B, C, A

[Question ID = 384][Question Description = 184_20_Hindi_S3_SEPT22_Q84]

1. 1 [Option ID = 1533]
2. 2 [Option ID = 1534]
3. 3 [Option ID = 1535]
4. 4 [Option ID = 1536]

85) प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से विद्यानिवास मिश्र के निबंध संग्रहों का सही अनुक्रम है -

A. लागौ रंग हरी

B. परम्परा बंधन नहीं

C. आँगन का पंछी बंजारा मन

D. छितवन की छाँह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. B, C, A, D
2. D, C, B, A
3. A, B, C, D
4. D, B, C, A

[Question ID = 385][Question Description = 185_20_Hindi_S3_SEPT22_Q85]

1. 1 [Option ID = 1537]
2. 2 [Option ID = 1538]
3. 3 [Option ID = 1539]
4. 4 [Option ID = 1540]

86) नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : देरिदा की दृष्टि में पाठ के अर्थ - निर्धारण के लिए पाठक की मनोसंरचना उत्तरदायी है।

कारण (R) : क्योंकि पाठक की मानसिक बनावट अपने ढंग से अर्थ ग्रहण करती है। इसलिए पाठ के अर्थ का सामान्यीकरण संभव नहीं है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

[Question ID = 386][Question Description = 186_20_Hindi_S3_SEPT22_Q86]

1. 1 [Option ID = 1541]
2. 2 [Option ID = 1542]
3. 3 [Option ID = 1543]
4. 4 [Option ID = 1544]

87) नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : मनुष्य का अस्तित्व ईश्वर के बगैर असंभव है।

कारण (R) : क्योंकि नीत्शे का मानना है कि ईश्वर मर गया है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

[Question ID = 387][Question Description = 187_20_Hindi_S3_SEPT22_Q87]

1. 1 [Option ID = 1545]
2. 2 [Option ID = 1546]
3. 3 [Option ID = 1547]
4. 4 [Option ID = 1548]

88) नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : गैर रोमांटिक दौर में रोमानियत को एक गाली के रूप में प्रयुक्त किया जाता था।

कारण (R) : क्योंकि वैयक्तिक अनुभूति के संस्पर्श के बिना उच्च स्तर की प्रेम कविताएं लिखी जा सकती हैं।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

[Question ID = 388][Question Description = 188_20_Hindi_S3_SEPT22_Q88]

1. 1 [Option ID = 1549]
2. 2 [Option ID = 1550]
3. 3 [Option ID = 1551]
4. 4 [Option ID = 1552]

89) नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : स्त्री - संस्कृति के सन्दर्भ में स्त्री पाठ का विवेचन - विश्लेषण आवश्यक है।

कारण (R) : क्योंकि स्त्री - संस्कृति पितृ - सत्तात्मक संस्कृति से भिन्न अभिधान है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

[Question ID = 389][Question Description = 189_20_Hindi_S3_SEPT22_Q89]

1. 1 [Option ID = 1553]
2. 2 [Option ID = 1554]
3. 3 [Option ID = 1555]
4. 4 [Option ID = 1556]

90) नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक अभिकथन (Assertion A) के रूप में लिखित है तो दूसरा उसके कारण (Reason R) के रूप में :

अभिकथन (A) : उत्तर - आधुनिकता मानव - यथार्थ की सम्पूर्णता की अवधारणा का खण्डन करती है।

कारण (R) : क्योंकि मानव - यथार्थ विखण्डित, बहुवाची और परिवर्तनशील है।

उपरोक्त कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सबसे उपयुक्त उत्तर का चयन कीजिए :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है, लेकिन (R) सही है।

[Question ID = 390][Question Description = 190_20_Hindi_S3_SEPT22_Q90]

1. 1 [Option ID = 1557]
2. 2 [Option ID = 1558]
3. 3 [Option ID = 1559]
4. 4 [Option ID = 1560]

Topic:- 20_SH2_PARTB_S1

1) **निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

बात यह है कि जब मैं कहता हूँ कि देवदारु सुन्दर है तो सुनने वाले सुन्दर का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं। हजार तरह के सुन्दर पदार्थों में रहने वाला, एक सामान्य सौन्दर्य - धर्म। सौन्दर्य का कौन -सा विशिष्ट रूप मेरे हृदय में उल्लास तरंगित कर रहा है यह बात बस, मैं ही जानता हूँ। अगर मुझमें इस बात को कहने की शक्ति नहीं हुई तो यह गूँगे का गुड़ बनी रह जायेगी। जिसमें शक्ति होती है वह कवि कहलाता है। अनेक प्रकार के कौशल से वह इस बात को कहने का प्रयत्न करता है, फिर भी शब्दों का सहारा तो उसे लेना ही पड़ता है। शब्द सदा सामान्य अर्थ को प्रकट करते हैं, कवि विशिष्ट अर्थ देना चाहता है। वह छन्दों के सहारे, उपमान - योजना के बल पर, ध्वनि - साम्य के द्वारा विशिष्ट अर्थ का साधारणीकरण करता है। तो भी क्या सब उसके विशिष्ट अर्थ को समझ पाते हैं? बिल्कुल नहीं। कोई बड़भागी होता है जिसके दिल की धड़कन कवि के दिल की धड़कन के साथ ताल मिला पाती है। कवि के हृदय के साथ जिसका हृदय मिल जाय उसे 'सहृदय' कहा जाता है।

शब्द सदा सामान्य अर्थ व्यक्त करते हैं, क्योंकि :

1. शब्द में विशेष अर्थ व्यक्त करने की क्षमता नहीं होती।
2. हर शब्द का केवल सामान्य अर्थ होता है।
3. प्रयोक्ता सामान्य अर्थ ही समझता है।
4. सामान्यतया सामान्य अर्थ में ही शब्द का प्रयोग किया जाता है। शब्द का विशेष अर्थ प्रयोग और परिस्थिति पर निर्भर करता है।

[Question ID = 391][Question Description = 191_20_Hindi_S3_SEPT22_Q91]

1. 1 [Option ID = 1561]
2. 2 [Option ID = 1562]
3. 3 [Option ID = 1563]
4. 4 [Option ID = 1564]

2) **निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

बात यह है कि जब मैं कहता हूँ कि देवदारु सुन्दर है तो सुनने वाले सुन्दर का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं। हजार तरह के सुन्दर पदार्थों में रहने वाला, एक सामान्य सौन्दर्य - धर्म। सौन्दर्य का कौन -सा विशिष्ट रूप मेरे हृदय में उल्लास तरंगित कर रहा है यह बात बस, मैं ही जानता हूँ। अगर मुझमें इस बात को कहने की शक्ति नहीं हुई तो यह गूँगे का गुड़ बनी रह जायेगी। जिसमें शक्ति होती है वह कवि कहलाता है। अनेक प्रकार के कौशल से वह इस बात को कहने का प्रयत्न करता है, फिर भी शब्दों का सहारा तो उसे लेना ही पड़ता है। शब्द सदा सामान्य अर्थ को प्रकट करते हैं, कवि विशिष्ट अर्थ देना चाहता है। वह छन्दों के सहारे, उपमान - योजना के बल पर, ध्वनि - साम्य के द्वारा विशिष्ट अर्थ का साधारणीकरण करता है। तो भी क्या सब उसके विशिष्ट अर्थ को समझ पाते हैं? बिल्कुल नहीं। कोई बड़भागी होता है जिसके दिल की धड़कन कवि के दिल की धड़कन के साथ ताल मिला पाती है। कवि के हृदय के साथ जिसका हृदय मिल जाय उसे 'सहृदय' कहा जाता है।

कवि साधारणीकरण क्यों करता है ?

1. इसलिए कि वह सादृश्य विधान के द्वारा सामान्य को विशिष्ट दिखाना चाहता है।
2. वह साधारण की प्रतीति साधारण रूप में कराना चाहता है।
3. वह विशेष के सहज अर्थ - बोध के लिए विशिष्ट को साधारण बनाता है।
4. समतामूलक दृष्टि के कारण वह हर चीज को साधारण दिखाना चाहता है।

[Question ID = 392][Question Description = 192_20_Hindi_S3_SEPT22_Q92]

1. 1 [Option ID = 1565]
2. 2 [Option ID = 1566]
3. 3 [Option ID = 1567]
4. 4 [Option ID = 1568]

3) **निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

बात यह है कि जब मैं कहता हूँ कि देवदारु सुन्दर है तो सुनने वाले सुन्दर का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं। हजार तरह के सुन्दर पदार्थों में रहने वाला, एक सामान्य सौन्दर्य - धर्म। सौन्दर्य का कौन -सा विशिष्ट रूप मेरे हृदय में उल्लास तरंगित कर रहा है यह बात बस, मैं ही जानता हूँ। अगर मुझमें इस बात को कहने की शक्ति नहीं हुई तो यह गूँगे का गुड़ बनी रह जायेगी। जिसमें शक्ति होती है वह कवि कहलाता है। अनेक प्रकार के कौशल से वह इस बात को कहने का प्रयत्न करता है, फिर भी शब्दों का सहारा तो उसे लेना ही पड़ता है। शब्द सदा सामान्य अर्थ को प्रकट करते हैं, कवि विशिष्ट अर्थ देना चाहता है। वह छन्दों के सहारे, उपमान - योजना के बल पर, ध्वनि - साम्य के द्वारा विशिष्ट अर्थ का साधारणीकरण करता है। तो भी क्या सब उसके विशिष्ट अर्थ को समझ पाते हैं? बिल्कुल नहीं। कोई बड़भागी होता है जिसके दिल की धड़कन कवि के दिल की धड़कन के साथ ताल मिला पाती है। कवि के हृदय के साथ जिसका हृदय मिल जाय उसे 'सहृदय' कहा जाता है।

श्रोता 'सुन्दर' शब्द का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं, क्योंकि :

1. श्रोता शब्द का विशेष अर्थ ले ही नहीं सकते हैं।
2. वक्ता के निर्देश पर श्रोता 'सुन्दर' का विशेष अर्थ लेते हैं।
3. 'सुन्दर' शब्द 'सुन्दरता' का सामान्य अर्थ ही देता है।
4. यह अर्थ - ग्रहण की सामान्य रीति है। प्रतिभा, अभ्यास और अर्थ - ग्रहण की विशेष योग्यता के बाद कोई - कोई श्रोता शब्द का सामान्य से अलग अर्थ लेता है।

[Question ID = 393][Question Description = 193_20_Hindi_S3_SEPT22_Q93]

1. 1 [Option ID = 1569]
2. 2 [Option ID = 1570]
3. 3 [Option ID = 1571]
4. 4 [Option ID = 1572]

4) **निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

बात यह है कि जब मैं कहता हूँ कि देवदारु सुन्दर है तो सुनने वाले सुन्दर का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं। हजार तरह के सुन्दर पदार्थों में रहने वाला, एक सामान्य सौन्दर्य - धर्म। सौन्दर्य का कौन -सा विशिष्ट रूप मेरे हृदय में उल्लास तरंगित कर रहा है यह बात बस, मैं ही जानता हूँ। अगर मुझमें इस बात को कहने की शक्ति नहीं हुई तो यह गूँगे का गुड़ बनी रह जायेगी। जिसमें शक्ति होती है वह कवि कहलाता है। अनेक प्रकार के कौशल से वह इस बात को कहने का प्रयत्न करता है, फिर भी शब्दों का सहारा तो उसे लेना ही पड़ता है। शब्द सदा सामान्य अर्थ को प्रकट करते हैं, कवि विशिष्ट अर्थ देना चाहता है। वह छन्दों के सहारे, उपमान - योजना के बल पर, ध्वनि - साम्य के द्वारा विशिष्ट अर्थ का साधारणीकरण करता है। तो भी क्या सब उसके विशिष्ट अर्थ को समझ पाते हैं? बिल्कुल नहीं। कोई बड़भागी होता है जिसके दिल की धड़कन कवि के दिल की धड़कन के साथ ताल मिला पाती है। कवि के हृदय के साथ जिसका हृदय मिल जाय उसे 'सहृदय' कहा जाता है।

हृदय में तरंगित सौंदर्य के विशेष रूप को लेखक व्यक्त करने में अक्षम है, क्योंकि :

1. लेखक में कवि की तरह हृद्गत भावों को व्यक्त करने की योग्यता नहीं है।
2. वह कवि की तरह बात को आलंकारिक ढंग से व्यक्त नहीं करना चाहता।
3. वह श्रोता को ध्यान में रख कर सौंदर्य के सामान्य अर्थ की प्रतीति कराना चाहता है।
4. लेखक अभिधामूलक अभिव्यक्ति का आग्रही है। इसलिए वह काकु - वक्रोक्ति या उपमान योजना को निरर्थक समझता है।

[Question ID = 394][Question Description = 194_20_Hindi_S3_SEPT22_Q94]

1. 1 [Option ID = 1573]
2. 2 [Option ID = 1574]
3. 3 [Option ID = 1575]
4. 4 [Option ID = 1576]

5) **निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

बात यह है कि जब मैं कहता हूँ कि देवदारु सुन्दर है तो सुनने वाले सुन्दर का एक सामान्य अर्थ ही लेते हैं। हजार तरह के सुन्दर पदार्थों में रहने वाला, एक सामान्य सौन्दर्य - धर्म। सौन्दर्य का कौन -सा विशिष्ट रूप मेरे हृदय में उल्लास तरंगित कर रहा है यह बात बस, मैं ही जानता हूँ। अगर मुझमें इस बात को कहने की शक्ति नहीं हुई तो यह गूँगे का गुड़ बनी रह जायेगी। जिसमें शक्ति होती है वह कवि कहलाता है। अनेक प्रकार के कौशल से वह इस बात को कहने का प्रयत्न करता है, फिर भी शब्दों का सहारा तो उसे लेना ही पड़ता है। शब्द सदा सामान्य अर्थ को प्रकट करते हैं, कवि विशिष्ट अर्थ देना चाहता है। वह छन्दों के सहारे, उपमान - योजना के बल पर, ध्वनि - साम्य के द्वारा विशिष्ट अर्थ का साधारणीकरण करता है। तो भी क्या सब उसके विशिष्ट अर्थ को समझ पाते हैं? बिल्कुल नहीं। कोई बड़भागी होता है जिसके दिल की धड़कन कवि के दिल की धड़कन के साथ ताल मिला पाती है। कवि के हृदय के साथ जिसका हृदय मिल जाय उसे 'सहृदय' कहा जाता है।

सामान्य आदमी 'अनुभूत सौंदर्य' का -

1. साधारण भोक्ता होता है।
2. भाष्यकार होता है।
3. मीमांसक होता है।
4. विशेष अर्थ - बोध कराने वाला कलाकार होता है।

[Question ID = 395][Question Description = 195_20_Hindi_S3_SEPT22_Q95]

1. 1 [Option ID = 1577]
2. 2 [Option ID = 1578]
3. 3 [Option ID = 1579]
4. 4 [Option ID = 1580]

Topic:- 20_SH2_PARTC_S1

1) **निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए -**

विवाह के व्यवसाय में स्त्री की विद्या पासंग बने हुए ढेले के समान है, जो तुला को दोनों ओर समान रूप से गुरु कर देता है, कुछ उसके मानसिक विकास के लिए नहीं। उसकी योग्यता, उसकी कला पति के प्रदर्शन तथा गर्व की वस्तु है, उसे सत्य शिव सुन्दर तक पहुँचने का साधन नहीं; उसके कोमलता, करुणा, आज्ञाकारिता, पवित्रता आदि गुण उसे पुरुष की इच्छानुकूल बनाने के लिए आवश्यक हैं, संसार पर कल्याण वर्षा के लिए नहीं। न स्त्री को अपने जीवन का कोई लक्ष्य बनाने का अधिकार है और न समाज द्वारा निर्धारित विधान के विरुद्ध कुछ कहने का। उसका जीवन पुरुष के मनोरंजन तथा उसकी वंशवृद्धि के लिए इस प्रकार चिरनिवेदित हो चुका है कि उसकी सम्मति पूछने की आवश्यकता का अनुभव भी किसी ने नहीं किया। वातावरण भी धीरे - धीरे उसे ऐसे ही मूक आज्ञा-पालन के लिए प्रस्तुत करता रहता है। गृहिणी का कर्तव्य कम महत्वपूर्ण नहीं यदि वह साधिकार और स्वेच्छा से स्वीकृत हो। जिस गृह को बचपन से उसका लक्ष्य बनाया जाता है यदि उस पर उसे अन्न-वस्त्र पाने के अतिरिक्त कोई और अधिकार भी होता, जिस पुरुष के लिए उसका जीवन एकान्त रूप से निवेदित है, यदि उसके जीवन पर उसका भी कोई स्वत्व होता तो वह दासता स्पृहणीय प्रभुता बन जाती।

उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है ?

1. यदि घर का उत्तरदायित्व निभाने में गृहिणी के अधिकार और इच्छा का सम्मान नहीं होता है, तो भी बड़े गौरव की बात है।
2. यदि घर का उत्तरदायित्व निभाना पड़ता है, तो यह गृहिणी का परम कर्तव्य है, चाहे उसकी इच्छा के विपरीत ही क्यों न हो।
3. यदि घर का उत्तरदायित्व निभाने में गृहिणी को अपना सब कुछ निछावर करना पड़ता है तो यह भी श्रेयष्कर है।
4. यदि गृहिणी अपनी इच्छा से और अपने अधिकार के गौरव के साथ घर के उत्तरदायित्व का निर्वाह करती है, तो वह अत्यंत महत्वपूर्ण है।

[Question ID = 396][Question Description = 196_20_Hindi_S3_SEPT22_Q96]

1. 1 [Option ID = 1581]
2. 2 [Option ID = 1582]
3. 3 [Option ID = 1583]
4. 4 [Option ID = 1584]

2) **निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए -**

विवाह के व्यवसाय में स्त्री की विद्या पासंग बने हुए ढेले के समान है. जो तुला को दोनों ओर समान रूप से गुरु कर देता है. कुछ उसके मानसिक विकास के लिए नहीं। उसकी योग्यता. उसकी कला पति के प्रदर्शन तथा गर्व की वस्तु है. उसे सत्यं शिवं सुन्दरं तक पहुँचने का साधन नहीं: उसके कोमलता. करुणा. आज्ञाकारिता. पवित्रता आदि गुण उसे पुरुष की इच्छानुकूल बनाने के लिए आवश्यक हैं. संसार पर कल्याण वर्षा के लिए नहीं। न स्त्री को अपने जीवन का कोई लक्ष्य बनाने का अधिकार है और न समाज द्वारा निर्धारित विधान के विरुद्ध कुछ कहने का। उसका जीवन पुरुष के मनोरंजन तथा उसकी वंशवृद्धि के लिए इस प्रकार चिरनिवेदित हो चुका है कि उसकी सम्मति पूछने की आवश्यकता का अनुभव भी किसी ने नहीं किया। वातावरण भी धीरे - धीरे उसे ऐसे ही मूक आज्ञा-पालन के लिए प्रस्तुत करता रहता है। गृहिणी का कर्तव्य कम महत्वपूर्ण नहीं यदि वह साधिकार और स्वेच्छा से स्वीकृत हो। जिस गृह को बचपन से उसका लक्ष्य बनाया जाता है यदि उस पर उसे अन्न-वस्त्र पाने के अतिरिक्त कोई और अधिकार भी होता. जिस पुरुष के लिए उसका जीवन एकान्त रूप से निवेदित है. यदि उसके जीवन पर उसका भी कोई स्वत्व होता तो वह दासता स्पृहणीय प्रभुता बन जाती।

उपर्युक्त अवतरण के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन - सा कथन सही है ?

1. विवाह की प्रथा में वर और कन्या के माता - पिता सिर्फ उनकी भलाई का प्रयास करते हैं।
2. विवाह - प्रथा में पढ़ी - लिखी लड़की अपने मायके और ससुराल का गौरव तो बढ़ा देती है. लेकिन अपने व्यक्तित्त्व के भीतरी विकास में उसका उपयोग कर नहीं पाती है।
3. विवाह एक ऐसी प्रथा है जिसमें वर और कन्या के माता - पिता सिर्फ अपना - अपना लाभ देखते हैं।
4. विवाह की प्रथा में शिक्षित - अशिक्षित लड़की में कोई अंतर नहीं किया जाता है। दोनों को नौकरानी समझा जाता है।

[Question ID = 397][Question Description = 197_20_Hindi_S3_SEPT22_Q97]

1. 1 [Option ID = 1585]
2. 2 [Option ID = 1586]
3. 3 [Option ID = 1587]
4. 4 [Option ID = 1588]

3) **निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए -**

विवाह के व्यवसाय में स्त्री की विद्या पासंग बने हुए ढेले के समान है. जो तुला को दोनों ओर समान रूप से गुरु कर देता है. कुछ उसके मानसिक विकास के लिए नहीं। उसकी योग्यता. उसकी कला पति के प्रदर्शन तथा गर्व की वस्तु है. उसे सत्यं शिवं सुन्दरं तक पहुँचने का साधन नहीं: उसके कोमलता. करुणा. आज्ञाकारिता. पवित्रता आदि गुण उसे पुरुष की इच्छानुकूल बनाने के लिए आवश्यक हैं. संसार पर कल्याण वर्षा के लिए नहीं। न स्त्री को अपने जीवन का कोई लक्ष्य बनाने का अधिकार है और न समाज द्वारा निर्धारित विधान के विरुद्ध कुछ कहने का। उसका जीवन पुरुष के मनोरंजन तथा उसकी वंशवृद्धि के लिए इस प्रकार चिरनिवेदित हो चुका है कि उसकी सम्मति पूछने की आवश्यकता का अनुभव भी किसी ने नहीं किया। वातावरण भी धीरे - धीरे उसे ऐसे ही मूक आज्ञा-पालन के लिए प्रस्तुत करता रहता है। गृहिणी का कर्तव्य कम महत्वपूर्ण नहीं यदि वह साधिकार और स्वेच्छा से स्वीकृत हो। जिस गृह को बचपन से उसका लक्ष्य बनाया जाता है यदि उस पर उसे अन्न-वस्त्र पाने के अतिरिक्त कोई और अधिकार भी होता. जिस पुरुष के लिए उसका जीवन एकान्त रूप से निवेदित है. यदि उसके जीवन पर उसका भी कोई स्वत्व होता तो वह दासता स्पृहणीय प्रभुता बन जाती।

उपर्युक्त अवतरण के सन्दर्भ में सही कथन है -

1. पुरुष प्रधान समाज में स्त्री को न तो सामाजिक नियमों के विरोध में मुँह खोलने की छूट है और न ही अपने जीवन का लक्ष्य निश्चित करने की आजादी है।
2. स्त्री को अपनी बौद्धिक शक्ति पर इतना अभिमान है कि वह जानबूझकर समाज के नियमों और अपने लक्ष्य के बारे में बताना अपना अपमान समझती है।
3. स्त्री स्वयं हीनता ग्रंथि का शिकार है। इसीलिए वह सामाजिक नियमों के विरोध में मुँह खोलने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती और अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने से बचती है।
4. स्त्री इतनी सहनशील है कि वह समाज के बारे में कुछ कहना आवश्यक नहीं समझती है और अपना लक्ष्य निर्धारित करने की उसे आवश्यकता भी जान नहीं पड़ती है।

[Question ID = 398][Question Description = 198_20_Hindi_S3_SEPT22_Q98]

1. 1 [Option ID = 1589]
2. 2 [Option ID = 1590]
3. 3 [Option ID = 1591]
4. 4 [Option ID = 1592]

4) **निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए -**

विवाह के व्यवसाय में स्त्री की विद्या पासंग बने हुए ढेले के समान है. जो तुला को दोनों ओर समान रूप से गुरु कर देता है. कुछ उसके मानसिक विकास के लिए नहीं। उसकी योग्यता. उसकी कला पति के प्रदर्शन तथा गर्व की वस्तु है. उसे सत्यं शिवं सुन्दरं तक पहुँचने का साधन नहीं: उसके कोमलता. करुणा. आज्ञाकारिता. पवित्रता आदि गुण उसे पुरुष की इच्छानुकूल बनाने के लिए आवश्यक हैं. संसार पर कल्याण वर्षा के लिए नहीं। न स्त्री को अपने जीवन का कोई लक्ष्य बनाने का अधिकार है और न समाज द्वारा निर्धारित विधान के विरुद्ध कुछ कहने का। उसका जीवन पुरुष के मनोरंजन तथा उसकी वंशवृद्धि के लिए इस प्रकार चिरनिवेदित हो चुका है कि उसकी सम्मति पूछने की आवश्यकता का अनुभव भी किसी ने नहीं किया। वातावरण भी धीरे - धीरे उसे ऐसे ही मूक आज्ञा-पालन के लिए प्रस्तुत करता रहता है। गृहिणी का कर्तव्य कम महत्वपूर्ण नहीं यदि वह साधिकार और स्वेच्छा से स्वीकृत हो। जिस गृह को बचपन से उसका लक्ष्य बनाया जाता है यदि उस पर उसे अन्न-वस्त्र पाने के अतिरिक्त कोई और अधिकार भी होता. जिस पुरुष के लिए उसका जीवन एकान्त रूप से निवेदित है. यदि उसके जीवन पर उसका भी कोई स्वत्व होता तो वह दासता स्पृहणीय प्रभुता बन जाती।

उपर्युक्त अवतरण के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से सही कथन है -

1. स्त्री को समाज - कल्याण का काम कठिन लगता है. जबकि उसे अपने अर्जित गुणों को पुरुष की इच्छा के अनुरुप ढालना सरल लगता है।
2. स्त्री स्वयं समाज का कल्याण नहीं करना चाहती है और पुरुष को खुश करने के लिए स्वयं अपने गुणों का अनुकूलन कर लेती है।
3. स्त्री द्वारा अर्जित मानवोचित गुणों को पुरुषप्रधान समाज लोकमंगल के कार्यों में लगाना नहीं चाहता। इसके कारण उसके गुणों का पुरुष की इच्छा के अनुरुप अनुकूलन किया जाता है।
4. अपने अर्जित मानवोचित गुणों को समाज - कल्याण में न लगाना या उन्हें पुरुष की इच्छा के अनुरूप ढालना स्त्री की अपनी मर्जी है।

[Question ID = 399][Question Description = 199_20_Hindi_S3_SEPT22_Q99]

1. 1 [Option ID = 1593]
2. 2 [Option ID = 1594]
3. 3 [Option ID = 1595]
4. 4 [Option ID = 1596]

5) **निर्देश: निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनिए -**

विवाह के व्यवसाय में स्त्री की विद्या पासंग बने हुए ढेले के समान है. जो तुला को दोनों ओर समान रूप से गुरु कर देता है. कुछ उसके मानसिक विकास के लिए नहीं। उसकी योग्यता. उसकी कला पति के प्रदर्शन तथा गर्व की वस्तु है. उसे सत्यं शिवं सुन्दरं तक पहुँचने का साधन नहीं: उसके कोमलता. करुणा. आज्ञाकारिता. पवित्रता आदि गुण उसे पुरुष की इच्छानुकूल बनाने के लिए आवश्यक हैं. संसार पर कल्याण वर्षा के लिए नहीं। न स्त्री को अपने जीवन का कोई लक्ष्य बनाने का अधिकार है और न समाज द्वारा निर्धारित विधान के विरुद्ध कुछ कहने का। उसका जीवन पुरुष के मनोरंजन तथा उसकी वंशवृद्धि के लिए इस प्रकार चिरनिवेदित हो चुका है कि उसकी सम्मति पूछने की आवश्यकता का अनुभव भी किसी ने नहीं किया। वातावरण भी धीरे - धीरे उसे ऐसे ही मूक आज्ञा-पालन के लिए प्रस्तुत करता रहता है। गृहिणी का कर्तव्य कम महत्वपूर्ण नहीं यदि वह साधिकार और स्वेच्छा से स्वीकृत हो। जिस गृह को बचपन से उसका लक्ष्य बनाया जाता है यदि उस पर उसे अन्न-वस्त्र पाने के अतिरिक्त कोई और अधिकार भी होता. जिस पुरुष के लिए उसका जीवन एकान्त रूप से निवेदित है. यदि उसके जीवन पर उसका भी कोई स्वत्व होता तो वह दासता स्पृहणीय प्रभुता बन जाती।

उपर्युक्त अवतरण के आधार पर निम्नलिखित में से कौन - सा कथन सही है ?

1. पति के घर में जाकर स्त्री का जीवन पति के लिए पूरी तरह से समर्पित हो जाता है और उसका अपने जीवन पर कोई अधिकार नहीं रह जाता है।
2. जिस घर को बचपन से गृहिणी का लक्ष्य बनाया जाता है. यदि उस घर में जाकर अपने जीवन पर उसका अधिकार बना रहता तो उसकी गुलामी भी स्वागत योग्य कही जा सकती है।
3. पति के घर में जाने के बाद गृहिणी का नाम और चेहरा छीनकर उसे घर की मालकिन बना दिया जाता है।
4. पतिगृह में गृहिणी अपने जीवन के अधिकार और स्वत्व से हीन होने पर भी शहीद होने का गर्व महसूस करती है।

[Question ID = 400][Question Description = 200_20_Hindi_S3_SEPT22_Q100]

1. 1 [Option ID = 1597]
2. 2 [Option ID = 1598]
3. 3 [Option ID = 1599]
4. 4 [Option ID = 1600]

Topic:- 12_GP_SH2_Set1_A

1) The following table presents the number of employees recruited for five different positions/posts of Administrators, Analysts, Programmers, Testers and Peons (R) in an IT company and those who left (L) the company during the years 2016 – 2021. Based on the data in the table, answer the questions : (Year of foundation of the Company is 2016)

Year-Wise Distribution of Employees

Position → / Year ↓	Administrators		Analysts		Programmers		Testers		Peons	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

निम्नलिखित तालिका में किसी आई टी कंपनी में वर्ष 2016-2021 के प्रशासक, विश्लेषक प्रोग्रामर, परीक्षक और चपरासी के पाँच भिन्न पदों पर नियोजित (R) और छोड़कर गये (L) कर्मचारियों की संख्या दी गयी है। तालिका में दिये गये आँकड़े के आधार पर, प्रश्न 1-5 का उत्तर दीजिए। (कंपनी का स्थापना वर्ष 2016 है)

वर्ष-वार कर्मचारियों का विवरण

पद → / वर्ष ↓	प्रशासक		विश्लेषक		प्रोग्रामर		परीक्षक		चपरासी	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

If M and N represent the number of Analysts and number of Testers recruited in the company during the years 2017 to 2021. Then $M-N=$

यदि M और N वर्ष 2017 से 2021 के दौरान कंपनी में नियोजित विश्लेषकों की संख्या और परीक्षकों की संख्या को प्रस्तुत करते हैं, तो $M-N=$

[Question ID = 451][Question Description = 101_00_General_25_SEPT22_Q01]

1. 64

[Option ID = 1801]

2. 56

[Option ID = 1802]

3. 48

[Option ID = 1803]

4. 44

[Option ID = 1804]

2) The following table presents the number of employees recruited for five different positions/posts of Administrators, Analysts, Programmers, Testers and Peons (R) in an IT company and those who left (L) the company during the years 2016 – 2021. Based on the data in the table, answer the questions : (Year of foundation of the Company is 2016)

Year-Wise Distribution of Employees

Position → / Year ↓	Administrators		Analysts		Programmers		Testers		Peons	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

निम्नलिखित तालिका में किसी आई टी कंपनी में वर्ष 2016-2021 के प्रशासक, विश्लेषक प्रोग्रामर, परीक्षक और चपरासी के पाँच भिन्न पदों पर नियोजित (R) और छोड़कर गये (L) कर्मचारियों की संख्या दी गयी है। तालिका में दिये गये आँकड़े के आधार पर, प्रश्न 1-5 का उत्तर दीजिए। (कंपनी का स्थापना वर्ष 2016 है)

वर्ष-वार कर्मचारियों का विवरण

पद → / वर्ष ↓	प्रशासक		विश्लेषक		प्रोग्रामर		परीक्षक		चपरासी	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

The total number of Peons working in the Company at the end of year 2020, is

वर्ष 2020 के अंत तक कंपनी में कार्यरत चपरासियों की कुल संख्या है :

[Question ID = 452][Question Description = 102_00_General_25_SEPT22_Q02]

1. 656

[Option ID = 1805]

2. 596

[Option ID = 1806]

3. 544

[Option ID = 1807]

4. 484

[Option ID = 1808]

3) The following table presents the number of employees recruited for five different positions/posts of Administrators, Analysts, Programmers, Testers and Peons (R) in an IT company and those who left (L) the company during the years 2016 – 2021. Based on the data in the table, answer the questions : (Year of foundation of the Company is 2016)

Year-Wise Distribution of Employees

Position → / Year ↓	Administrators		Analysts		Programmers		Testers		Peons	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

निम्नलिखित तालिका में किसी आई टी कंपनी में वर्ष 2016-2021 के प्रशासक, विश्लेषक प्रोग्रामर, परीक्षक और चपरासी के पाँच भिन्न पदों पर नियोजित (R) और छोड़कर गये (L) कर्मचारियों की संख्या दी गयी हो। तालिका में दिये गये आँकड़े के आधार पर, प्रश्न 1-5 का उत्तर दीजिए। (कंपनी का स्थापना वर्ष 2016 है)

वर्ष-वार कर्मचारियों का विवरण

पद → / वर्ष ↓	प्रशासक		विश्लेषक		प्रोग्रामर		परीक्षक		चपरासी	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

The percentage increase in the number of employees working in the company in 2021 to that in 2016 was maximum for the position of

वर्ष 2016 की अपेक्षा वर्ष 2021 में कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या में प्रतिशत वृद्धि निम्नलिखित में से किस पद हेतु सर्वाधिक थी?

[Question ID = 453][Question Description = 103_00_General_25_SEPT22_Q03]

1. Administrator

   प्रशासक

   [Option ID = 1809]

2. Analyst

   विश्लेषक

   [Option ID = 1810]

3. Programmer

प्रोग्रामर

[Option ID = 1811]

4. Tester

परीक्षक

[Option ID = 1812]

4) The following table presents the number of employees recruited for five different positions/posts of Administrators, Analysts, Programmers, Testers and Peons (R) in an IT company and those who left (L) the company during the years 2016 – 2021. Based on the data in the table, answer the questions : (Year of foundation of the Company is 2016)

Year-Wise Distribution of Employees

Position → / Year ↓	Administrators		Analysts		Programmers		Testers		Peons	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

निम्नलिखित तालिका में किसी आई टी कंपनी में वर्ष 2016-2021 के प्रशासक, विश्लेषक प्रोग्रामर, परीक्षक और चपरासी के पाँच भिन्न पदों पर नियोजित (R) और छोड़कर गये (L) कर्मचारियों की संख्या दी गयी है। तालिका में दिये गये आँकड़े के आधार पर, प्रश्न 1-5 का उत्तर दीजिए। (कंपनी का स्थापना वर्ष 2016 है)

वर्ष–वार कर्मचारियों का विवरण

पद → / वर्ष ↓	प्रशासक		विश्लेषक		प्रोग्रामर		परीक्षक		चपरासी	
	R	L	R	L	R	L	R	L	R	L
2016	380	–	600	–	440	–	580	–	410	–
2017	140	60	136	60	128	52	100	50	92	48
2018	90	46	120	64	120	60	112	52	76	44
2019	74	44	118	48	104	50	124	48	98	40
2020	80	36	128	50	96	56	136	44	112	60
2021	96	48	144	56	124	72	130	46	100	52

The pooled sum of the total number of employees working for all the five positions in the company at the end of the year 2018 is

वर्ष 2018 के अंत तक कंपनी में सभी पाँचों पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की कुल संख्या का समुच्चित योग कितना है?

[Question ID = 454][Question Description = 104_00_General_25_SEPT22_Q04]

1. 3126

[Option ID = 1813]